• आईसीएआर उप महानिदेशक कृषि शिक्षा ने एसकेआरएयू की गतिविधियों का किया अवलोकन

विद्यार्थी वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखकर करें नए प्रयोग जिससे बढ़ाई जा सके पैदावार

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

06.02.2024

विद्यार्थियों को किताबों के अध्ययन के साथ-साथ वैश्विक चुनौतियों को भी ध्यान में रखकर नए अनुसंधान करने चाहिए। जिससे आने वाले 10 वर्षों में उन्नत प्रौद्योगिकी एवं तकनीकों का प्रयोग करते हुए पैदावार को बढ़ाया जा सके। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में सोमवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ संवाद भी किया।

उन्होंने कुलपति डॉ. अरुण कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र, वित्त नियंत्रक बी. एल. सार्वा तथा क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एस. आर. यादव के साथ कृषि अनुसंधान केंद्र का भ्रमण कर बीकानेर की जलवायु परिस्थितियों में गेहूं में बुवाई समय एवं उपयुक्त किस्मों पर किए जा रहे अनुसंधान प्रयोग, रिजक की कृष्णा किस्म जो कि कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर की ही देन है, इसके बीज उत्पादन को बढ़ाने, चना, मेथी, गेहूं एवं जौ में फसल संरक्षण के प्रयोग एवं प्याज की फसल में ऊन अपशिष्ट के जैविक खाद के रूप में उपयोग संबंधित प्रयोगों का अवलोकन किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने बताया कि ऊन अपशिष्ट में सल्फर की मात्रा अत्यधिक होती है जिसके कारण प्रति हेक्टेयर प्याज उत्पादन से 2 लाख रुपए तक की आय ली जा सकती है। डॉ. अग्रवाल ने कृषि महाविद्यालय में मशरूम इकाई का अवलोकन किया तथा बीकानेर की परिस्थितियों में बटन मशरूम का उत्पादन तथा मटके में ढिंग री मशरूम देख प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में मरू शक्ति एग्रो इनोवेटिव फूड्स इकाई का अवलोकन कर बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की सराहना की। संवाद कार्यक्रम के दौरान डॉ. आई. पी. सिंह ने एक और गर्ल्स हॉस्टल की मांग रखी। इस दौरान डॉ. पी.के. यादव, डॉ. दाता राम, डॉ. विमला डूकवाल आदि उपस्थित रहे।

06.02.2024

एसकेआरएयू की गतिविधियों का अवलोकन

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर. सी. अग्रवाल ने अवलोकन किया। इस दौरान

विद्यार्थियों के साथ संवाद भी दिया। डॉ. अग्रवाल ने कहा विद्यार्थी किताबी अध्ययन के साथ-साथ वैश्विक चुनौतियों को भी ध्यान रखें। उन्होंने कुलपति डॉ. अरुण कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, प्रसार-शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र, वित्त नियंत्रक बी. एल. सर्वा तथा क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एस. आर. यादव के साथ सोमवार को कृषि अनुसंधान केंद्र का भ्रमण कर बीकानेर की जलवायु परिस्थितियों में गेहूं के बुवाई समय एवं उपयुक्त किस्मों पर किए जा रहे अनुसंधान प्रयोग, चना, मेथी, गेहूं एवं जौ में फसल संरक्षण के प्रयोगों का अवलोकन किया।

दैनिक भास्कर बीकानेर 07-02-2024

एसकेआरएयू में आधुनिक पादप रोग प्रबंधन पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

बीकानेर | भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से आयोजित आधुनिक पादप रोग प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां विषयक 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत मंगलवार से प्रारंभ हुआ। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पौधों में नई बीमारियां पनप रही हैं जिनका समय पर निवारण नहीं हो पाने के कारण खेती घाटे का सौदा होती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज किसान का बेटा भी खेती से मुंह मोड़कर अन्य धंधों की तलाश में है। उन्होंने वैज्ञानिकों को सलाह दी कि पादप रोग प्रबंधन में बुजुर्गों के व्यवहारिक ज्ञान को खेती में आजमाना चाहिए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रशिक्षण में देश के विभिन्न प्रांतों से आए पादप रोग वैज्ञानिक अपने ज्ञान को साझा करते हुए प्रशिक्षणोपरांत एक ऐसी रिपोर्ट बनाएं जो मरू क्षेत्र के किसानों के लिए पादप रोग प्रबंधन में सहायक हो। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निदेशक अनुसंधान डॉ. पीएस शेखावत ने कहा कि आईसीएआर द्वारा एसकेआरएयू को इस प्रकार का प्रशिक्षण स्वीकृत करना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है।

एसकेआरएयू में आधुनिक पादप रोग प्रबंधन पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

बुजुर्गों के व्यावहारिक ज्ञान को खेती में आजमाना चाहिए

07.02.2024

बीकानेर @ पत्रिका. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से आयोजित आधुनिक पादप रोग प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां विषयक 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार से शुरू हुआ। मुख्य अतिथि कोलायत विधायक अंशुमान सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पौधों में नई बीमारियां पनप रही हैं, जिनका समय पर निवारण नहीं हो पाने के कारण खेती घाटे का सौदा होती जा रही है। आज किसान का बेटा भी खेती से मुंह मोड़कर अन्य धंधों की तलाश में है। उन्होंने वैज्ञानिकों को सलाह दी कि पादप रोग प्रबंधन में

बुजुर्गों के व्यावहारिक ज्ञान को खेती में आजमाना चाहिए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण में देश के विभिन्न प्रांतों से आए पादप रोग वैज्ञानिकों को अपने ज्ञान को साझा करते हुए प्रशिक्षणोपरांत एक ऐसी रिपोर्ट बनाने का आह्वान किया, जो मरू क्षेत्र के किसानों के लिए पादप रोग प्रबंधन में सहायक हो।

अधिष्ठाता एवं निदेशक अनुसंधान डॉ. पीएस शेखावत ने कहा कि आईसीएआर की ओर से एसकेआरएयू को इस प्रकार का प्रशिक्षण स्वीकृत करना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। विभागाध्यक्ष डॉ. दाता राम ने कहा कि प्रशिक्षण में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आसाम, गुजरात तथा त्रिपुरा से 25 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

Seema sandesh 07.02.2024

कृषि

जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रहे पादप रोगों का प्रबंधन जरूरी- भाटी

आधुनिक पादप रोग प्रबंधन पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

बीकानेर (सीमा सन्देश)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित आधुनिक पादप रोग प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां विषयक 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत मंगलवार से प्रारंभ हुआ।

शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पौधों में नई बीमारियां पनप रही हैं, जिनका समय पर निवारण नहीं हो पाने के कारण खेती घाटे का सौदा होती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज किसान का बेटा भी खेती से मुंह मोड़कर अन्य धंधों की तलाश में है। उन्होंने वैज्ञानिकों को सलाह दी कि पादप रोग प्रबंधन में बुजुर्गों के व्यवहारिक ज्ञान को खेती में आजमाना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों के अनुभव एवं प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को दूर दराज के किसानों तक पहुंचा कर आत्मनिर्भर भारत बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने मरू संभाग में रबी की फसलों में आ रहे रोगों की पहचान के लिए प्रशिक्षणार्थियों के क्षेत्र भ्रमण आयोजित करने की सलाह दी।

पादप रोग प्रबंधन में सहायक हो वैज्ञानिकों की रिपोर्ट

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण में देश के विभिन्न प्रांतों से आए पादप रोग वैज्ञानिक अपने ज्ञान को साझा करते हुए प्रशिक्षणोपरांत एक ऐसी रिपोर्ट बनाए जो मरू क्षेत्र के किसानों के लिए पादप रोग प्रबंधन में सहायक हो। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निदेशक अनुसंधान डॉ. पी. एस. शेखावत ने कहा कि आईसीएआर द्वारा एसकेआरएयू को इस प्रकार का प्रशिक्षण स्वीकृत करना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। वित्त नियंत्रक बी.एल. सर्वा ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न वक्ताओं के व्यवहारिक ज्ञान को सोशल मीडिया यथा फेसबुक, यू-ट्यूब, एक्स आदि के माध्यम से गांव-ढाणियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। प्रशिक्षण समन्वयक पादप रोग विज्ञानाध्यक्ष डॉ. दाता राम ने कहा कि प्रशिक्षण में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आसाम, गुजरात तथा त्रिपुरा राज्यों से 25 वैज्ञानिक भाग ले रहे है जिन्हें पादप रोग प्रतिरोधकता हेतु बायोटेक्नोलॉजी, पादप जीस एडिटिंग,रोग प्रबंधन में नैनो टेक्नोलॉजी, ड्राइव्होडर्मा के उपयोग आदि विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। डॉ. ए.के. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रकाशित एवं सीमा सन्देश मुद्रणालय वार्ड 7 ई छोटी, हनुमानगढ़ रोड, श्रीगंगानगर से मुद्रित। आरएनआई रजि नं. 23665/72, पो. रजि. नं. श्रीगंगानगर/35/2021-2023 फोन : 2466402/03, मो. 97833-85185, विज्ञापन विभाग : 2466402/03, जयपुर कार्यालय : जे-2 झालाना संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर, फोन : 0141-2700113

Rastradoot 07.02.2024

जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रहे पादप रोगों का प्रबंधन जरूरी : अंशुमान भाटी

■ एस.के.आर.ए.यू. में आधुनिक पादप रोग प्रबंधन पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

बीकानेर, (कासं)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'आधुनिक पादप रोग प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां' विषयक 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत मंगलवार से प्रारंभ हुआ।

शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पौधों में नई बीमारियां पनप रही हैं जिनका समय पर निवारण नहीं हो पाने के कारण खेती घाटे का सौदा होती जा रही है। उन्होंने कहा कि आज किसान का बेटा भी खेती से मुंह मोड़कर अन्य धंधों की तलाश में है। उन्होंने वैज्ञानिकों को सलाह दी कि पादप रोग प्रबंधन में बुजुर्गों के व्यवहारिक ज्ञान को खेती में आजमाना चाहिए।

उन्होंने वैज्ञानिकों के अनुभव एवं प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को दूर दराज के किसानों तक पहुंचाकर आत्मनिर्भर भारत बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने मरू संभाग में रबी की फसलों में आ रहे रोगों की पहचान के लिए प्रशिक्षणार्थियों के क्षेत्र भ्रमण आयोजित करने की सलाह दी।

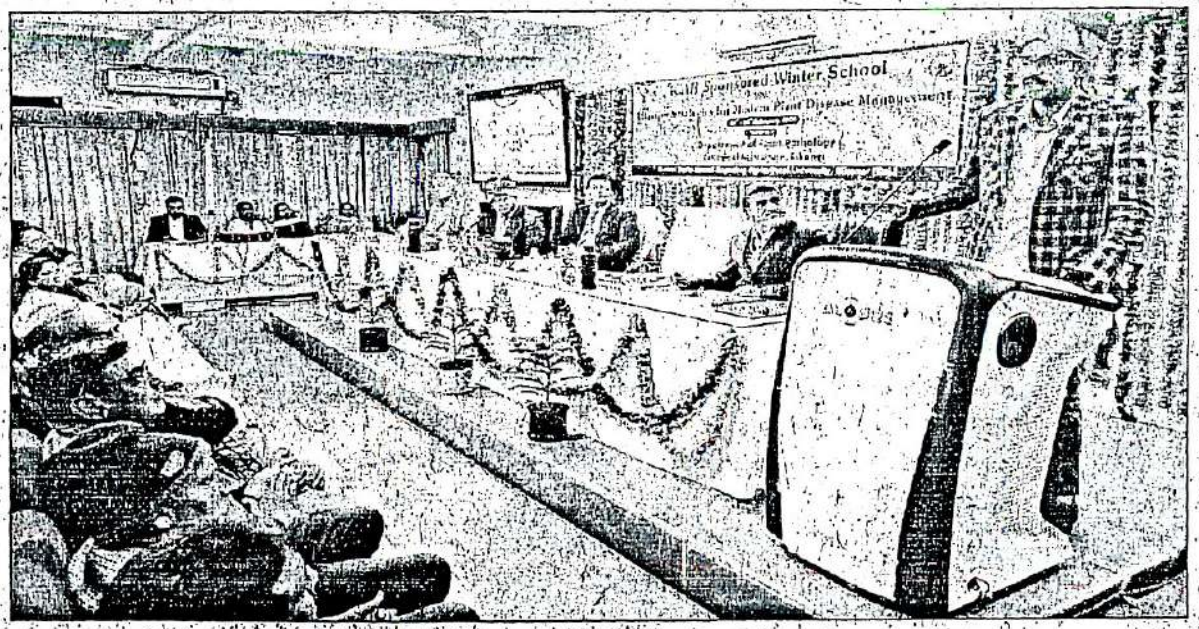

एस.के.आर.ए.यू. में आधुनिक पादप रोग प्रबंधन पर प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह को विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने संबोधित किया।

कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रशिक्षण में देश के विभिन्न प्रांतों से आये पादप रोग वैज्ञानिक अपने ज्ञान को साझा करते हुए प्रशिक्षणोपरांत एक ऐसी रिपोर्ट बनाएं जो मरू क्षेत्र के किसानों के लिए पादप रोग प्रबंधन में सहायक हो। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निदेशक अनुसंधान डॉ. पी. एस. शेखावत ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आईसीएआर द्वारा एसकेआरएयू को इस प्रकार का प्रशिक्षण स्वीकृत करना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। वित्त नियंत्रक बी.एल. सर्वा ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न वक्ताओं के व्यवहारिक ज्ञान को सोशल मीडिया यथा फेसबुक, यू-ट्यूब, एक्स आदि के माध्यम से गांव-ढाणियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। प्रशिक्षण समन्वयक पादप रोग विभागाध्यक्ष डॉ. दाताराम ने कहा कि प्रशिक्षण में राजस्थान के अलावा उत्तर

Danik Uogpach 07.02.2024

एसकेआरएयू में पादप रोग प्रबंधन पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ, विभिन्न राज्यों के 25 कृषि वैज्ञानिक होंगे प्रशिक्षण में शामिल

›› जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रहे पादप रोगों का प्रबंधन जरूरी- भाटी

बीकानेर (नसं)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'आधुनिक पादप रोग प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां' विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत मंगलवार को प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी थे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पौधों में नई बीमारियां पनप रही हैं जिनका समय पर निवारण नहीं होने से खेती घाटे का सौदा साबित होती जा रही है। किसान का बेटा भी खेती से दूर हो रहा है। उन्होंने कहा कि पादप रोग प्रबंधन में कृषि वैज्ञानिकों के अनुसंधान के साथ-साथ अनुभवी किसानों का व्यवहारिक ज्ञान को भी खेती में आजमाना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों के अनुभव एवं प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को दूर दराज के किसानों तक पहुंचाकर आत्मनिर्भर भारत बनाने में सहयोग की अपील की। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण में देश के विभिन्न प्रांतों से आए पादप रोग वैज्ञानिकों के अनुभव एवं अनुसंधान मरू क्षेत्र के किसानों के लिए पादप रोग प्रबंधन में सहायक सिद्ध होगा। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निदेशक अनुसंधान डॉ. पी. एस. शेखावत ने कहा कि आईसीएआर द्वारा एसकेआरएयू के लिए इस प्रकार का प्रशिक्षण का आयोजन करवाना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। वित्त नियंत्रक बी.एल. सर्वा ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न वक्ताओं के व्यवहारिक ज्ञान को सोशल मीडिया यथा फेसबुक, यू-ट्यूब,एक्स आदि के माध्यम से गांव-ढाणियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। प्रशिक्षण समन्वयक पादप रोग विभागाध्यक्ष डॉ. दाता राम ने बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आसाम, गुजरात तथा त्रिपुरा राज्यों से 25 कृषि वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

08.02.2024
Patrika

मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

बढ़ती जागरूकता से मिला मोटे अनाज के उपयोग को बढ़ावा

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार से शुरू हुआ। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा दिया है। स्वस्थ रहने के लिए अब स्वाद से ज्यादा पौष्टिकता को महत्व दिया जा रहा है।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की मरुशक्ति इनोवेटिव फूड इकाई 2021 से बाजरे के विभिन्न मूल्य संवर्धित उत्पाद बना रही है और निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर मूल्य संवर्धन की तकनीक को देश के विभिन्न भागों में पहुंचा रही है।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान मंचस्थ अतिथि।

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान के जैसलमेर और झुंझुनू के अलावा उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों का आटा जल्दी खराब होने के कारण इनका मूल्य संवर्धन करना लाभकारी कदम है।

मोटे अनाजों में ग्लूटेन की मात्रा बहुत कम होती है, जिसके कारण रक्त दाब नियंत्रित रहता है और दिल का दौरा पड़ने की आशंका भी कम होती है।

Danik Bhaskar
08.02.2024

मिलेट्स के प्रसंस्करण पर एसकेआरएयू की पहल का लाभ सभी को मिले : कलेक्टर

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार से प्रारम्भ हुआ। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कलेक्टर भगवती प्रसाद थे। उन्होंने मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर एसकेआरएयू की पहल की सराहना की तथा कहा कि इसका लाभ सभी को मिलना चाहिए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इनोवेटिव फूड इकाई 2021 से बाजरे के विभिन्न मूल्य संवर्धित उत्पाद बना रही है और निरंतर तकनीक को देश के विभिन्न भागों में पहुंचा रही है। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. विमला डूकवाल ने बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। निदेशक मानव संसाधन विकास निदेशालय, डॉ. एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. पीएस शेखावत, निदेशक अनुसंधान तथा डॉ. सुभाष चंद्र, निदेशक प्रसार शिक्षा सहित सभी निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

पाचन की दृष्टि से बेहतर होते हैं स्थानीय अनाज : जिला कलक्टर

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर।

जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि स्थानीय अनाज पाचन की दृष्टि से बेहतर होते हैं। कलक्टर बुधवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण समारोह में जिला कलक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा दिया है। स्वस्थ रहने के लिए अब स्वाद से ज्यादा पौष्टिकता को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर एसकेआरएयू की पहल की सराहना की तथा कहा कि इसका लाभ सभी को मिलना चाहिये। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इनोवेटिव फूड इकाई 2021 से बाजरे के विभिन्न मूल्य संवर्धित उत्पाद बना रही है और निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर मूल्य संवर्धन की तकनीक को देश के विभिन्न भागों में पहुंचा रही है। प्रशिक्षण समन्वेयक डॉ. विमला डूकवाल ने बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान के जैसलमेर और झुंझुनूं के अलावा उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। निदेशक मानव संसाधन विकास निदेशालय, डॉ. ए. के. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. पी.एस. शेखावत, निदेशक अनुसंधान तथा डॉ. सुभाष चंद्र, निदेशक प्रसार शिक्षा सहित सभी निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

08.02.2024
Youg Pakch

मोटे अनाज की खेती और मूल्य संवर्धन विषय पर

एक दिवसीय महिला कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

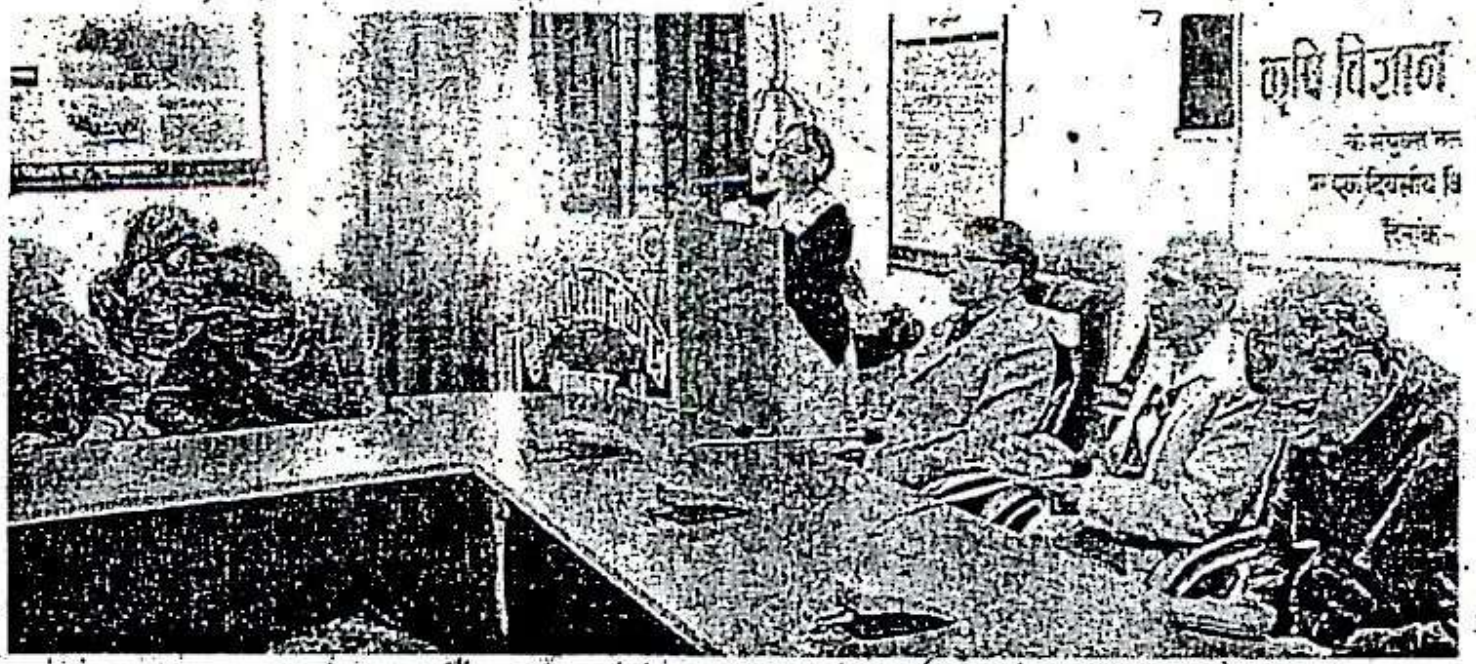

लूणकरणसर। कृषि विज्ञान केंद्र और मिलेट्स विकास निदेशालय भारत सरकार जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को मोटे अनाज की खेती और मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय महिला कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें फूलदेसर गांव की 45 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र की वैज्ञानिक डॉ ऋचा पंत ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की जानकारी दी । केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार शिवरान ने केंद्र की गतिविधियों और प्रदर्शन इकाइयों के बारे में सविस्तार जानकारी दी । उन्होंने प्रशिक्षण के विषय में बताया कि बाजरा, रागी, ज्वार, कोदो, कुटकी, सामा, राजगीरा, कुट्टू सभी मोटे अनाज की श्रेणी में आते हैं। मोटे अनाजों में सघन पोषक तत्व पाए जाते हैं जिस कारण इन्हें न्यूट्रीसीरियल्स भी कहा जाता है। मिलेट्स विकास निदेशालय भारत सरकार जयपुर से पधारे प्रो ओम प्रकाश खेदड़ ने मिलेट्स के प्रकार, खेती और पोषण मूल्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ ऋचा पंत ने मूल्य संवर्धन और मार्केटिंग के विषय में भी बताया। एटीसी लूणकरणसर के उपनिदेशक डॉ केके सिंह ने भी बाजरे की खेती के संबंध में बताया। लूणकरणसर तहसील की प्रगतिशील महिला किसान श्रीमती शारदा शर्मा और श्रीमती रिया शर्मा ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को बाजरे के बिस्कुट, लड्डू, बेर्फी और हलवा बनाने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से इन उत्पादों को बना रहे हैं साथ ही, मूंगफली के लड्डू, ज्वार पॉप्स, पीनट बटर आदि का प्रशिक्षण भी दिया गया।

08.02.2024 Rastr Doot

मोटे अनाजों के प्रसंस्करण का पहल का लाभ सभी को मिलें : भगवती प्रसाद

- मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ
- विश्वविद्यालय द्वारा एक जिला एक उत्पाद के तहत 3 जिलों जैसलमेर, झुंझुनू तथा चूरू में बाजरा को चुना गया

बीकानेर,(कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार से प्रारंभ हुआ।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय अनाज पाचन की दृष्टि से बेहतर होते हैं। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा दिया है। स्वस्थ रहने के लिए अब स्वाद से ज्यादा पौष्टिकता को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर एसकेआरएयू की पहल की सराहना की तथा कहा कि इसका लाभ सभी को मिलना चाहिये।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इनोवेटिव फूड इकाई 2021 से बाजरे के विभिन्न मूल्य संवर्धित उत्पाद बना रही है और निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर मूल्य संवर्धन की तकनीक को देश के विभिन्न भागों में पहुंचा रही है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एक जिला एक उत्पाद के तहत 3 जिलों जैसलमेर, झुंझुनू तथा चूरू में बाजरा को चुना गया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को मूल्य संवर्धन के विभिन्न आयामों यथा संघटकों, मशीनरी, उत्पादन विधियों, पैकेजिंग तथा मार्केटिंग के बारे में विस्तार से बताया जाए ताकि वे स्व उद्यम स्थापित कर सके। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. विमला डूकवाल ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान के जैसलमेर और झुंझुनू के अलावा उत्तरप्रदेश तथा मध्यप्रदेश के किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों का आटा, जल्दी खराब होने के कारण इनका मूल्य संवर्धन करना लाभकारी कदम है। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में ग्लूटेन की मात्रा बहुत कम होती है जिसके कारण रक्त दाब नियंत्रित रहता है और दिल का दौरा पड़ने की संभावना भी कम होती है।

निदेशक मानव संसाधन विकास निदेशालय, डॉ. ए. के. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा नवोदय विद्यालय गजनेर के 40 विद्यार्थियों के लिए मोटे अनाज के प्रसंस्करण पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण का समापन भी हुआ। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए इसे अच्छी पहल बताया। इस अवसर पर डॉ. पी.एस. शेखावत, निदेशक अनुसंधान तथा डॉ. सुभाष चंद्र, निदेशक प्रसार, शिक्षा सहित सभी निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

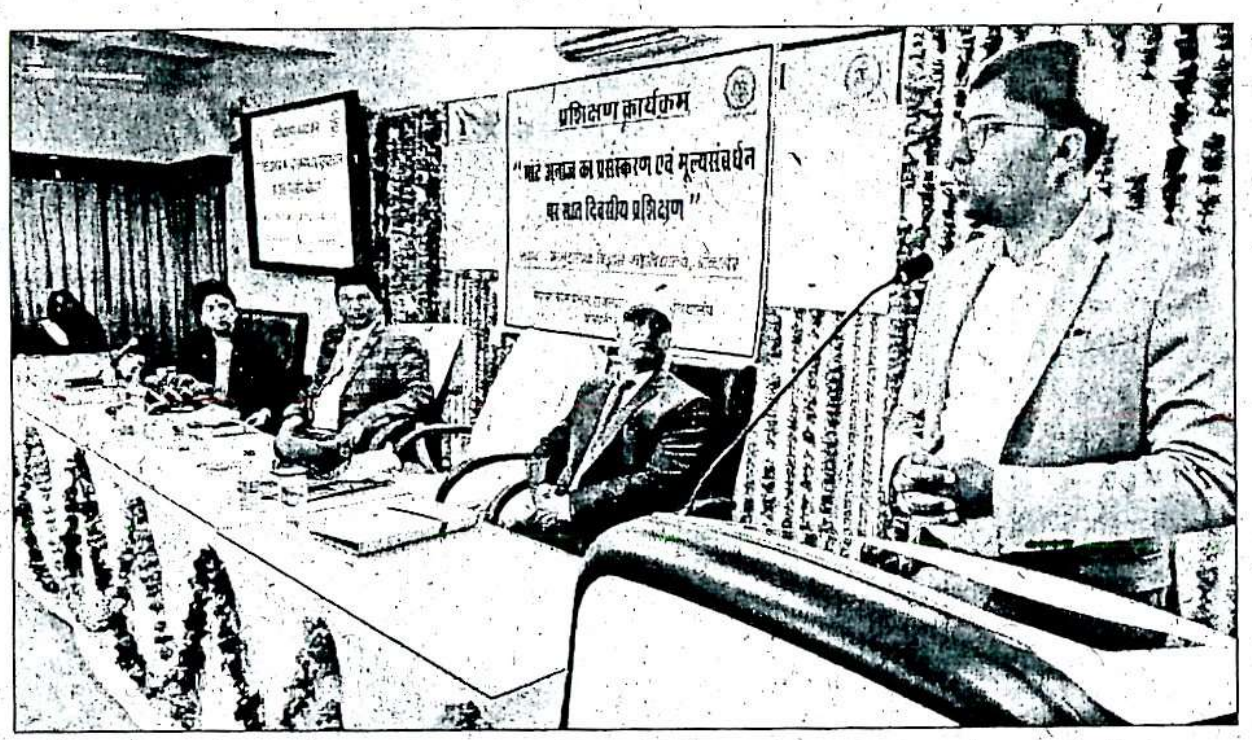

बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल (दाएं) ने मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण को सम्बोधित किया।

08.02.2024

दैनिक राजस्थान प्रदीप, बीकानेर (अन्तिम)

मिलेट्स के प्रसंस्करण पर एसकेआरएयू की पहल का लाभ सभी को मिले - भगवती प्रसाद

मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार से प्रारम्भ हुआ। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि स्थानीय अनाज पाचन की दृष्टि से बेहतर होते हैं । स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा दिया है।स्वस्थ रहने के लिए अब स्वाद से ज्यादा पौष्टिकता को महत्व दिया जा रहा है।

उन्होंने मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर एसकेआरएयू की पहल की सराहना की तथा कहा कि इसका लाभ सभी को मिलना चाहिये।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इनोवेटिव फूड इकाई 2021 से बाजरे के विभिन्न मूल्य संवर्धित उत्पाद बना रही है और निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर मूल्य संवर्धन की तकनीक को देश के विभिन्न भागों में पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एक जिला एक उत्पाद के तहत 3 जिलों- जैसलमेर, झुंझुनू तथा चूरू में %बाजरा% का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को मूल्य संवर्धन के विभिन्न आयामों यथा संघटकों, मशीनरी, उत्पादन विधियों, पैकेजिंग तथा मार्केटिंग के बारे में विस्तार से बताया जाए ताकि वे स्वउद्यम स्थापित कर सके।

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. विमला डूकवाल ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान के जैसलमेर और झुंझुनू के अलावा उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों का आटा जल्दी खराब होने के कारण इनका मूल्य संवर्धन करना लाभकारी कदम है। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में ग्लूटेन की मात्रा बहुत कम होती है जिसके कारण रक्त दाब नियंत्रित रहता है और दिल का दौरा पडने की सम्भावना भी कम होती है।

निदेशक मानव संसाधन विकास निदेशालय, डॉ. ए. के. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा नवोदय विद्यालय गजनेर के 40 विद्यार्थियों के लिए मोटे अनाज के प्रसंस्करण पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण का समापन भी हुआ। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए इसे अच्छी पहल बताया।

इस अवसर पर डॉ. पी.एस. शेखावत, निदेशक अनुसंधान तथा डॉ. सुभाष चंद्र, निदेशक प्रसार शिक्षा सहित सभी निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

कृषि विज्ञान केंद्रों के नवाचारी कृषकों की कार्यशाला

09.02.2024

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्रों के नवाचारी कृषकों की कार्यशाला आयोजित की गई। कुलपति डॉ.अरुण कुमार ने अध्यक्षता की। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमरीश शरण विद्यार्थी, मुख्य अतिथि तथा राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र बीकानेर के निदेशक डॉ. ए. साहू विशिष्ट अतिथि थे।

कार्यशाला में एसकेआरएयू के सात कृषि विज्ञान केंद्रों के दो-दो नवाचारी कृषकों ने अपने नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने भी संबोधन दिया।

Rajasthan Chirag
09.02.2023

कृषि विज्ञान केंद्रों के नवाचारी कृषकों की कार्यशाला आयोजित

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्रों के नवाचारी कृषकों की कार्यशाला आयोजित की गई। कुलपति डॉ.अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमरीश शरण विद्यार्थी मुख्य अतिथि तथा राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र बीकानेर के निदेशक डॉ. ए. साहू विशिष्ट अतिथि थे। कार्यशाला में एसकेआरएयू के सात कृषि विज्ञान केंद्रों के दो-दो नवाचारी कृषकों ने अपने नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला में बीकानेर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थानों के अधिकारियों, कृषि विज्ञान केंद्रों के मुख्य वैज्ञानिकों, कृषि संकाय के सभी विभागों के विभागध्यक्षों एवं कृषि स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य किसान एवं विज्ञान के सम्मिलित प्रयासों से हो रहे नवाचारों को विश्वविद्यालय स्तर पर सत्यापित करवा कर सभी किसानों तक पहुंचना है ताकि नवाचारी किसानों को प्रोत्साहन के साथ-साथ नई तकनीक का प्रचार प्रसार हो सके।

दैनिक भास्कर
जैसलमेर-पोकरण भास्कर 11-02-2024

रामगढ़ में प्राकृतिक खेती को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

भास्कर संवाददाता | जैसलमेर

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा रामगढ़ में प्राकृतिक खेती कृषक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. अरुण कुमार द्वारा की गई।

कुलपति ने किसानों द्वारा खड़ीन क्षेत्रों में हो रही रसायन मुक्त खेती पर डॉक्यूमेंट्री बनाने की आवश्यकता जताई। ताकि परंपरागत विधि द्वारा पैदा किए जाने वाले रसायन मुक्त उत्पाद को देश भर में पहुंचाया जा सके। इस तकनीक का देशभर में प्रचार हो सके तथा सूखा प्रभावित अन्य क्षेत्रों के किसानों द्वारा भी इस तकनीक का उपयोग करके लोगों का भरण पोषण करने तथा रसायन मुक्त खेती में अहम भूमिका निभाई जा सके। इस अवसर पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय डॉ. वाईके सिंह ने प्राकृतिक खेती के बारे में बताया कि यह खेती न केवल अभी की आवश्यकता है बल्कि हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए भी बहुत जरुरी है। डॉ. वीरेंद्रसिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती के उत्पाद की बाजार में बहुत अच्छी मांग एवं मूल्य प्राप्त होता है।

जैसलमेर. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक व किसान।

खड़ीन क्षेत्र में अगर प्राकृतिक घटकों का उपयोग किया जाए तो न केवल उत्पादन में वृद्धि होगी साथ ही साथ उनकी गुणवत्ता में भी सुधार होता है। इस अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. सुभाषचंद्र, केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दीपक चतुर्वेदी, केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. चारु शर्मा ने भी किसानों को विभिन्न जानकारी से अवगत करवाया।

दैनिक भास्कर
जैसलमेर-पोकरण भास्कर 11-02-2024

बैठक • कृषि विज्ञान केंद्र में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में कई मुद्दों पर की चर्चा

क्षेत्र की प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों के बीच किसानों को प्रेरित कर बढ़ाए उत्पादन : डॉ. अरुण

भास्कर संवाददाता | जैसलमेर

कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. अरुण कुमार ने की।

उन्होंने संबोधित करते हुए कृषि वैज्ञानिकों को खाड़ी क्षेत्र में प्राप्त चने व गेहूं के मूल्य संबंधित उत्पाद जैसे गेहूं के बिस्किट एवं चने की पापड़ बनाकर स्वयं सहायता समूह बनाकर उसकी ब्रांडिंग करके बाजार में लाने के लिए नाबार्ड द्वारा नाबार्ड एवं कृषि विभाग की मदद द्वारा इसको जैसलमेर के किसानों के बीच में लाने के लिए कहा। उन्होंने विभिन्न तरह की आधुनिक तकनीक को किसानों के बीच में पहुंचाने एवं किसानों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करने पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्र की प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों का बीज उत्पादन करके किसानों को प्रदान करके उत्पादन को बढ़ाने की आवश्यकता जताई। बैठक में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 का प्रगति प्रतिवेदन व भविष्य की कार्य योजना वर्ष 2024 को प्रस्तुत किया। कृषि विज्ञान केंद्र पोकरण के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दशरथ ने वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 का प्रगति प्रतिवेदन व भविष्य की कार्य योजना वर्ष 2024 को प्रस्तुत किया।

बैठक के उपरांत निदेशक कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोधपुर डॉ. जेपी मिश्रा ने कृषि अनुसंधान केंद्र पर हो रहे नए कार्यों को अपने कृषि विज्ञान केंद्र पर भी लगाकर नई तकनीकों को किसानों को दिखाकर उनको अपने खेत में लगाने पर जोर दिया। उन्होंने जैसलमेर में जल की कमी होने की वजह से जल संरक्षण पर खेत के अंदर व बाहर वर्षा जल के संचयन प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण करने के लिए कहा। निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर डॉ. सुभाष चौधरी ने कृषि वैज्ञानिकों को किसानों की आवश्यकता के अनुरुप प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र परीक्षण करने की बात कही।

जैसलमेर. बैठक के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक।

इस दौरान डॉ. विरेंद्रसिंह, डॉ. वाइके सिंह, संयुक्त निदेशक कृषि विभाग राधेश्याम नारवाल, कृषि विज्ञान केंद्र के गृह वैज्ञानिक डॉ. चारु शर्मा, मृदा वैज्ञानिक डॉ. बबलू शर्मा, केवीके पोकरण से सस्य वैज्ञानिक डॉ. कृष्ण गोपाल व्यास व पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. रामनिवास ने भी अपने अपने विषय में किए गए कार्य को प्रस्तुत किया। बैठक में उपस्थित प्रगतिशील किसान एवं अन्य विभागों से आए हुए अधिकारियों ने अपने अपने सुझावों से अवगत कराया।

कुलपति ने किया केवीके पोकरण का दौरा

11.02.2024

बाडमेर, 11 फरवरी। कृषि विज्ञान केंद्र, पोकरण का कुलपति स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर ने दौरा किया। इस मौके पर वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दशरथ प्रसाद ने केन्द्र के फार्म पर लगाई हुई कम समय मे पकने वाली जीरा की फसल व वर्षा आधारित तारामीरा की फसल को कुलपति को विजिट कराई। केन्द्र पर ही फसल संग्रहालय में डॉ कृष्ण गोपाल व्यास द्वारा लगाई गई आठ फसलो जिनमे जीरा, मेथी, सरसो, गेहूँ, चना, ईसबगोल, राजगीरा, किनोवा, असालिया की विभिन्न किस्मो के प्रदर्शनों को भी देखा। पश्चिमी क्षेत्र की इन प्रतिकूल परिस्थितियों में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की और आने वाली विभिन्न जलवायु चुनोतियाँ से निपटने के लिए तैयार रहने को भी कहा। केंद्र पर पानी की कमी को देखते हुए कुलपति ने पानी के लिए उच्च अधिकारियों से मिलकर इस समस्या का हल निकालने को कहा। भेड़ बकरी बहुल्य क्षेत्र वाले इस जोन में केंद्र पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ राम निवास बकरी व मुर्गीपालन इकाई की स्थापना करके डेमोस्ट्रेशन यूनिट किसानों को दिखाए व राजस्व बढ़ाये। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ सुभाष चन्द्र ने कहा कि सभी वैज्ञानिक कम संसाधन में भी अच्छा कार्य कर रहे है। इस दौरान डॉ वीरेंद्र, डॉ दीपक चतुर्वेदी, डॉ वाईके सिंह व अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर जैसलमेर-पोकरण भास्कर 12-02-2024

खेती में नवाचार के कार्यों का कुलपति ने किया निरीक्षण

पोकरण. कुलपति ने किया कृषि विज्ञान केन्द्र पोकरण का निरीक्षण।

भास्कर संवाददाता | पोकरण

कृषि विज्ञान केंद्र पोकरण का स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति ने दौरा किया। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ. दशरथ प्रसाद ने केन्द्र के फार्म पर लगाई हुई कम समय में पकने वाली जीरा की फसल व वर्षा आधारित तारामीरा की फसल की कुलपति को विजिट कराई।

केन्द्र पर ही फसल संग्रहालय में डॉ. कृष्ण गोपाल व्यास द्वारा लगाई गई आठ फसलों, जिनमें जीरा, मेथी, सरसों, गेहूँ, चना, ईसबगोल, राजगिरा, किनोवा, असालिया की विभिन्न किस्मों के प्रदर्शनों को भी देखा। पश्चिमी क्षेत्र की इन प्रतिकूल परिस्थितियों में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। साथ ही आने वाली विभिन्न जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहने को भी कहा। केंद्र पर पानी की कमी को देखते हुए कुलपति ने पानी के लिए उच्च अधिकारियों से मिलकर इस समस्या का हल निकालने को कहा है। भेड़ बकरी बाहुल्य क्षेत्र वाले इस जोन में केंद्र पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. राम निवास बकरी व मुर्गीपालन इकाई की स्थापना करके डेमोस्ट्रेशन यूनिट किसानों को दिखाए व राजस्व बढ़ाए। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि यहां सभी वैज्ञानिक कम संसाधन में भी बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। इसने साथ-साथ डॉ. वीरेंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर में अध्यक्ष डॉ दीपक चतुर्वेदी, डॉ. वाई. के. सिंह व अन्य वैज्ञानिक, स्टाफ मौजूद थे।

कुलपति ने किया केवीके पोकरण का दौरा

जैसलमेर। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र, पोकरण का कुलपति स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर ने दौरा किया। इस मौके पर वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दशरथ प्रसाद ने केन्द्र के फार्म पर लगाई हुई कम समय मे पकने वाली जीरा की फसल व वर्षा आधारित तारामीरा की फसल को कुलपति को विजिट कराई। केन्द्र पर ही फसल संग्रहालय में डॉ. कृष्ण गोपाल व्यास द्वारा लगाई गई आठ फसलो जिनमे जीरा, मेथी, सरसो, गेहूँ, चना, ईसबगोल, राजगीरा, किनोवा, असालिया की विभिन्न किस्मो के प्रदर्शनों को भी देखा। पश्चिमी क्षेत्र की इन प्रतिकूल परिस्थितियों में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की और आने वाली विभिन्न जलवायु

चुनोतियाँ से निपटने के लिए तैयार रहने को भी कहा। केंद्र पर पानी की कमी को देखते हुए कुलपति ने पानी के लिए उच्च अधिकारियों से मिलकर इस समस्या का हल निकालने को कहा है। भेड़ बकरी बहुल्य क्षेत्र वाले इस जोन में केंद्र पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ राम निवास बकरी व मुर्गीपालन इकाई की स्थापना करके डेमोस्ट्रेशन यूनिट किसानों को दिखाए व राजस्व बढ़ाये। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ सुभाष चन्द्र ने कहा कि यहाँ सभी वैज्ञानिक कम संसाधन में भी बहुत अच्छा कार्य कर रहे है। इसने साथ साथ डॉ वीरेंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर में अध्यक्ष डॉ दीपक चतुर्वेदी, डॉ वाई के सिंह व अन्य वैज्ञानिक, स्टाफ मौजूद रहे।

स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती मनाई जाएगी

बाजरा तथा चने के उत्पाद से किसानों की आमदनी बढ़ाए : डॉ. अरुण कुमार

सादुलपुर, (निसं.)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रोफेसर अरुण कुमार ने की तथा विशिष्ठ अथिति के रूप अटारी जोन 2 के निदेशक डॉ जे पी मिश्रा मोजूद रहे। अध्यक्षता करते हुए डॉ अरुण कुमार ने चूरु जिले की मुख्य फ़सल बजरा तथा चने के उत्पाद बनाकर बेचने पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया किसान अपना सव्य सहायता समूह बना कर बाजरे के बिस्किट तथा चने की नानकटाई बनाये और इनका व्यवसायीकरण करे। आगे उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी एक गाँव को गोद लेकर उसका कृषि विकास करे। डॉ कुमार ने गाँव, पंचायत तथा जिले स्तर पर इनका एक सेल काउण्टर खोलने के लिये सुझाव दिये द्व उन्होंने बताया कि इससे जिले के किसानो की आमदनी बढ़ेगी। कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति डॉ जे पी मिश्रा ने किसानों को उच्च गुणवाता के बीज तथा पौधे किसानों को उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र को ज्यादा से ज्यादा किसानो के खेती से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान करने के लिये तत्पर रहना चाहिये। डॉ पी एस शेखावत फ़ैकल्टी चेयरमेन तथा निदेशक अनुसंधान ने बीकानेर से विकसित शुष्क खेती की तकनीकों को किसानों के खेतों तक पहुँचाने के लिये ज़ोर दिया।

दैनिक
13.02.2024
स्वतंत्र पत्रकार मदनमोहन आचार्य ब्यूरो चीफ चूरू

दैनिक 13.02.2024 स्वतंत्र पत्रकार मदनमोहन आचार्य ब्यूरो चीफ चूरू

जननायक

कृषि विज्ञान केंद्र चांदगोठी में किसान गोष्ठी का आयोजन

सादुलपुर, (निसं.)।

राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र चाँदगोठी पर एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीकानेर से डॉ.अरुण कुमार, कुलपति, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर धानुका एग्रोटेक के चेयरमेन आर जी अग्रवाल, निदेशक अनुसंधान डॉ.पी एस शेखावत, निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चंद्र, डीन कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवम अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी वैज्ञानिक एवम प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.अरुण कुमार ने किसानों के लिये नई-नई तकनीके विकसित करने तथा उनको प्रथम पंक्ति के माध्यम से किसनों को पहुँचाने की बात कही कुलपति ने चूरू जिले का एक गाँव गोद लेकर उसके कृषि सम्बन्धित विकास करने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र को निर्देशित किया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति श्री आर जी अग्रवाल ने किसानों के खेत पर कीटनाशक, फफूदनाशक तथा खरपतवारनाशक के प्रदर्शन लगाने की बात कही। निदेशक अनुसंधान डॉ. पी एस शेखावत ने शुष्क क्षेत्रो के लिये विकसित तकनीकी को किसानों तक पहुँचाने के लिये कहा। निदेशक प्रसार डॉ. सुभाष चन्द्र ने फसलों में विविधीकरण के साथ-साथ समन्वित कृषि प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डॉ. एन के शर्मा ने उन्नत बीज तथा पौध किसनों को समय पहुँचाने पर जोर दिया।

आचार्य न्यूज सादुलपुर
जागरूक टाइम्स
मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू 13.02.2024

कृषि विज्ञान केंद्र चांदगोठी में किसान गोष्ठी का आयोजन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र चाँदगोठी पर एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीकानेर से डॉ.अरुण कुमार, कुलपति, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर धानुका एग्रोटेक के चेयरमेन आर जी अग्रवाल, निदेशक अनुसंधान डॉ.पी एस शेखावत, निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चंद्र, डीन कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवम अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी वैज्ञानिक एवम प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.अरुण कुमार ने किसानों के लिये नई-नई तकनीके विकसित करने तथा उनको प्रथम पंक्ति के माध्यम से किसनों को पहुँचाने की बात कही कुलपति ने चूरू जिले का एक गाँव गोद लेकर उसके कृषि सम्बन्धित विकास करने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र को निर्देशित किया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति

श्री आर जी अग्रवाल ने किसानों के खेत पर कीटनाशक, फफूदनाशक तथा खरपतवारनाशक के प्रदर्शन लगाने की बात कही। निदेशक अनुसंधान डॉ. पी एस शेखावत ने शुष्क क्षेत्रो के लिये विकसित तकनीकी को किसानों तक पहुँचाने के लिये कहा। निदेशक प्रसार डॉ. सुभाष चन्द्र ने फ़सलों में विविधीकरण के साथ-साथ समन्वित कृषि प्रणाली अपनाने पर ज़ोर दिया। अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डॉ. एन के शर्मा ने उन्नत बीज तथा पौध किसनों को समय पहुँचाने पर जोर दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बलबीर सिंह ने शुष्क क्षेत्र के बाग़वानी के बगीचे स्थापित करने के साथ-साथ सब्जियो की खेती के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम में डॉ. अशोक कुमार, डॉ. शौकत अली, डॉ. अदिति गुप्ता सहित जिले के एक किसानो ने भाग लिया।

आचार्य न्यूज सादुलपुर
जागरुक टाइम्स
मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू 13.02.2024

'बाजरा तथा चने के उत्पाद से किसानों की आमदनी बढ़ाएं'

जागरुक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र चांदगोठी पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रोफेसर अरुण कुमार ने की तथा विशिष्ठ अथिति के रूप अटारी जोन 2 के निदेशक डॉ जे पी मिश्रा मोजूद रहे। अध्यक्षता करते हुए डॉ अरुण कुमार ने चूरु जिले की मुख्य फसल बजरा तथा चने के उत्पाद बनाकर बेचने पर जोर दिया। उन्होंने बताया किसान अपना सव्य सहायता समूह बना कर बाजरे के बिस्किट तथा चने की नानकटाई बनाये और इनका व्यवसायीकरण करे। आगे उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र चांदगोठी एक गांव को गोद लेकर उसका कृषि विकास करे। डॉ कुमार ने गांव, पंचायत तथा जिले स्तर पर इनका एक सेल काउण्टर खोलने के लिये सुझाव दिये। उन्होंने बताया कि इससे जिले के किसानो की आमदनी बढ़ेगी। कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति डॉ जे पी मिश्रा ने किसानों को उच्च गुणवाता के बीज तथा पौधे किसानों को उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र को ज्यादा से ज्यादा किसानों के खेती से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान करने के लिये तत्पर रहना चाहिये। डॉ पी एस शेखावत फैकल्टी चेयरमेन तथा निदेशक अनुसंधान ने बीकानेर से विकसित शुष्क खेती की तकनीकों को किसानों के खेतों तक पहुंचाने के लिये ज़ोर दिया। उन्होंने बीकानेर से उन्नत किस्मों का बीज तथा पौधें किसानों तक पहुँचाने का आश्वासन दिया। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चन्द्र ने किसानों के खेत पर उन्नत किस्मों के बीजों के प्रदर्शन लगाने तथा किसनो को उपलब्ध कराने पर जोर दिया। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कृषि के साथ-साथ बकरी तथा भेड़ पालन करके किसनो की आय बढ़ाने पर ज़ोर दिया। डॉ दीपक कपिला पीडी आत्मा ने किसानों सब्जियो की खेती करने तथा नजदीकी बाजार में बेचकर आमदनी बढ़ाने का सुझाव दिया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ बलबीर सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र का वर्ष 2022 और 2023 का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में डॉ अशोक कुमार, डॉ शौक़त अली, डॉ अदिति गुप्ता, डॉ झूमर और कृषि विभाग सहित अन्य संस्थानों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रगतिशील किसानों में केशु सिंह, वीर सिंह, सूबे सिंह, झींगा पालक बुडानिया और राजीविका की महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी।

मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू दैनिक
एक अख़बार सारा संसार
युगपक्ष
13.02.2024
संस्थापकःयशस्वी पत्रकार स्व.वीरेन्द्रकुमार जी सक्सेना
नवोन्मेषकःस्व.डॉ.राकेश जी सक्सेना

बाजरा तथा चने के उत्पाद से किसानों की आमदनी बढ़ाए : डॉ.अरुण कुमार

सादुलपुर (मदनमोहन आचार्य)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रोफेसर अरुण कुमार ने की तथा विशिष्ठ अथिति के रूप अटारी जोन 2 के निदेशक डॉ.जे.पी. मिश्रा मौजूद रहे। अध्यक्षता करते हुए डॉ.अरुण कुमार ने चूरु जिले की मुख्य फ़सल बाजरा तथा चने के उत्पाद बनाकर बेचने पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया किसान अपना सव्य सहायता समूह बना कर बाजरे के बिस्किट तथा चने की नानकटाई बनाये और इनका व्यवसायीकरण करे। आगे उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी एक गाँव को गोद लेकर उसका कृषि विकास करे। डॉ.कुमार ने गाँव, पंचायत तथा जिले स्तर पर इनका एक सेल काउण्टर खोलने के लिये सुझाव दिये। उन्होंने बताया कि इससे जिले के किसानों की आमदनी बढ़ेगी। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि डॉ.जे.पी. मिश्रा ने किसानों को उच्च गुणवता के बीज तथा पौधे किसानों को उपलब्ध कराने की बात

कही। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र को ज्यादा से ज्यादा किसानो के खेती से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिये तत्पर रहना चाहिये। डॉ.पी.एस. शेखावत फ़ैकल्टी चेयरमेन तथा निदेशक अनुसंधान ने बीकानेर से विकसित शुष्क खेती की तकनीकों को किसानों के खेतों तक पहुँचाने के लिये ज़ोर दिया। उन्होंने बीकानेर से उन्नत किस्मों का बीज तथा पौधें किसानों तक पहुँचाने का आश्वासन दिया। निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चन्द्र ने किसानों के खेत पर उन्नत किस्मों के बीजों के प्रदर्शन लगाने तथा किसानों को उपलब्ध कराने पर ज़ोर दिया। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ.एन.के. शर्मा ने कृषि के साथ-साथ बकरी तथा भेड़ पालन करके किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। डॉ.दीपक कपिला पीडी आत्मा ने किसानों सब्ज़ियों की खेती करने तथा नजदीकी बाजार में बेचकर आमदनी बढ़ाने का सुझाव दिया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ.बलबीर सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र का वर्ष 2022 और 2023 का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. अदिति गुप्ता, डॉ.झूमर और कृषि विभाग सहित अन्य संस्थानों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रगतिशील किसानों में केशु सिंह, वीर सिंह, सूबे सिंह, झींगा पालक बुडानिया और राजीविका की महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी।

विज्ञापन,
नाम
परिवर्तन
के लिए
सम्पर्क करें:—
9413361725
9414421755

मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू दैनिक

एक अखबार सारा संसार

युगपक्ष

13.02.2024

● संस्थापकः यशस्वी पत्रकार स्व.वीरेन्द्रकुमार जी सक्सेना

● नवोन्मेषकः स्व.डॉ.राकेश जी सक्सेना

कृषि विज्ञान केंद्र चाँदगोठी में किसान गोष्ठी का आयोजन

सादुलपुर (मदनमोहन आचार्य)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र चाँदगोठी पर एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीकानेर से डॉ.अरुण कुमार, कुलपति, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर धानुका एग्रोटेक के चेयरमेन आर जी अग्रवाल, निदेशक अनुसंधान डॉ.पी एस शेखावत, निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चंद्र, डीन कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवम अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी वैज्ञानिक एवम प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.अरुण कुमार ने किसानों के लिये नई-नई तकनीके विकसित करने तथा उनको प्रथम पंक्ति के माध्यम से किसनों को पहुँचाने की बात कही कुलपति ने चूरू जिले का एक गाँव गोद लेकर उसके कृषि सम्बन्धित विकास करने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र को निर्देशित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अथिति श्री आर जी अग्रवाल ने किसानों के खेत पर कीटनाशक, फफूदनाशक तथा खरपतवारनाशक के प्रदर्शन लगाने की बात कही। निदेशक अनुसंधान डॉ.पी. एस शेखावत ने शुष्क क्षेत्रों के लिये विकसित तकनीकी को किसानों तक पहुँचाने के लिये कहा। निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चन्द्र ने फ़सलों में विविधीकरण के साथ-साथ समन्वित कृषि प्रणाली अपनाने पर ज़ोर दिया। अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डॉ. एन के शर्मा ने उन्नत बीज तथा पौध किसनों को समय पहुँचाने पर जोर दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.बलबीर सिंह ने शुष्क क्षेत्र के बागवानी के बगीचे स्थापित करने के साथ-साथ सब्जियों की खेती के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम में डॉ.अशोक कुमार, डॉ. शौकत अली, डॉ. अदिति गुप्ता सहित जिले के एक किसानों ने भाग लिया।

दैनिक मृदुल पत्रिका 13.02.2024
स्वतंत्र पत्रकार मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू

कृषि विज्ञान केंद्र चांदगोठी में किसान गोष्ठी का आयोजन

सादुलपुर (मृदुल पत्रिका)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र चाँदगोठी पर एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीकानेर से डॉ.अरुण कुमार, कुलपति, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर धानुका एग्रोटेक के चेयरमेन आर जी अग्रवाल, निदेशक अनुसंधान डॉ.पी एस शेखावत, निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चंद्र, डीन कृषि महाविद्यालय, चाँदगोठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवम अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी वैज्ञानिक एवम प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ.अरुण कुमार ने किसानों के लिये नई-नई तकनीके विकसित करने तथा उनको प्रथम पंक्ति के माध्यम से किसनों को पहुँचाने की बात कही कुलपति ने चूरू जिले का एक गाँव गोद लेकर उसके कृषि सम्बन्धित विकास करने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र को निर्देशित किया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति आर जी अग्रवाल ने किसानों के खेत पर कीटनाशक, फफूदनाशक तथा खरपतवारनाशक के प्रदर्शन लगाने की बात कही। निदेशक अनुसंधान डॉ. पी एस शेखावत ने शुष्क क्षेत्रो के लिये विकसित तकनीकी को किसानों तक पहुँचाने के लिये कहा। निदेशक प्रसार डॉ. सुभाष चन्द्र ने फ़सलों में विविधीकरण के साथ-साथ समन्वित कृषि प्रणाली अपनाने पर ज़ोर दिया।

अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डॉ. एन के शर्मा ने उन्नत बीज तथा पौध किसनों को समय पहुँचाने पर जोर दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बलबीर सिंह ने शुष्क क्षेत्र के बाग़वानी के बगीचे स्थापित करने के साथ-साथ सब्जियो की खेती के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम में डॉ. अशोक कुमार, डॉ. शौकत अली, डॉ. अदिति गुप्ता सहित जिले के एक किसानो ने भाग लिया।

दैनिक 13.02.2024

मृदुल पत्रिका

Mridul Patrika

स्वतंत्र पत्रकार मदन मोहन आचार्य न्यूज ब्यूरो चीफ चूरू

बाजरा तथा चने के उत्पाद से किसानों की आमदनी बढ़ाएंः डॉ. अरुण कुमार

सादुलपुर (मदनमोहन आचार्य/ मृदुल पत्रिका)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रोफेसर अरुण कुमार ने की तथा विशिष्ठ अथिति के रूप अटारी जोन 2 के निदेशक डॉ जे पी मिश्रा मोजूद रहे। अध्यक्षता करते हुए डॉ अरुण कुमार ने चूरु जिले की मुख्य फ़सल बजरा तथा चने के उत्पाद बनाकर बेचने पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया किसान अपना सव्य सहायता समूह बना कर बाजरे के बिस्किट तथा चने की नानकटाई बनाये और इनका

व्यवसायीकरण करे। आगे उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र चाँदगोठी एक गाँव को गोद लेकर उसका कृषि विकास करे। डॉ कुमार ने गाँव, पंचायत तथा जिले स्तर पर इनका एक सेल काउण्टर खोलने के लिये सुझाव दिये ढ्ढ उन्होंने बताया कि इससे जिले के किसानो की आमदनी बढ़ेगी। कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति डॉ जे पी मिश्रा ने किसानों को उच्च्च गुणवाता के बीज तथा पौधे किसानों को उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र को ज्यादा से ज्यादा किसानो के खेती से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान करने के लिये तत्पर रहना चाहिये। डॉ पी एस शेखावत फ़ैकल्टी चेयरमेन तथा निदेशक अनुसंधान ने बीकानेर से विकसित शुष्क खेती की तकनीकों को किसानों के खेतों तक पहुँचाने के लिये ज़ोर दिया। उन्होंने बीकानेर से उन्नत किस्मों का बीज तथा पौधें किसानों तक पहुँचाने का आश्वासन दिया। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चन्द्र ने किसानों के खेत पर उन्नत किस्मों के बीजों के प्रदर्शन लगाने तथा किसनो को उपलब्ध कराने पर ज़ोर दिया। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कृषि के साथ-साथ बकरी तथा भेड़ पालन करके किसनो की आय बढ़ाने पर ज़ोर दिया। डॉ दीपक कपिला पीडी आत्मा ने किसानों सब्ज़ियो की खेती करने तथा नजदीकी बाजार में बेचकर आमदनी बढ़ाने का सुझाव दिया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ बलबीर सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र का वर्ष 2022 और 2023 का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में डॉ अशोक कुमार, डॉ शौक़त अली, डॉ अदिति गुप्ता, डॉ झूमर और कृषि विभाग सहित अन्य संस्थानों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रगतिशील किसानों में केशु सिंह, वीर सिंह, सूबे सिंह, झींगा पालक बुडानिया और राजीविका की महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी।

मोटा अनाज पाचन की दृष्टि से बेहतर

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डूकवाल ने की। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज पाचन की दृष्टि से बेहतर होते हैं। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा दिया है। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण में जैसलमेर की महिला साकू में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ज्यादातर ग्रामीण महिलाएं नरेगा कार्यों तक ही सीमित रहती हैं।

Rastradoot 14.02.2024

मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण

बीकानेर,(कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 7 फरवरी से प्रारंभ मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण 13 फरवरी को सम्पन्न हुआ।

समापन अवसर पर आयोजित समारोह में श्री हरी इंडस्ट्री, खारा के प्रबंध निदेशक मुकेश अग्रवाल ने बतौर अतिथि भागीदारी की। समारोह की अध्यक्षता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डूकवाल ने की। मुकेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मोटे अनाजों को चमत्कारी खाद्य तथा प्राचीन खाद्य के रूप में भी जाना जाता है। इनकी विशेषता है कि ये 500 सालों तक भी संग्रहित कर रखे जा सकते हैं तथा प्राचीन समय में अकाल की विभीषिका से बचने के लिए इनके बीजों का भंडारण किया जाता था। कम अवधि में पकने के कारण ये विशेष महत्व रखते थे। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. विमला डूकवाल ने कहा कि मोटे अनाज पाचन की दृष्टि से बेहतर होते हैं। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा दिया है। उन्होंने मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर आयोजित इस प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मोटे अनाज के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण के समापन पर डॉ. विमला डूकवाल (बाएं) ने मोटे अनाज से बने उत्पादों की जानकारी दी।

■ मोटे अनाज चमत्कारी खाद्य है इनकी विशेषता है कि ये 500 सालों तक भी संग्रहित रखे जा सकते हैं

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गये। प्रशिक्षण में जैसलमेर की महिला साकू ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ज्यादातर ग्रामीण महिलाएं नरेगा कार्यों तक ही सीमित रहती हैं। उन्हें विश्वविद्यालय के नवाचारों से प्रेरणा लेकर स्व उद्यम स्थापित करने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू राठौड़ ने किया तथा डॉ. परीमिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कृषि में उद्यमिता विकास पर कार्य करने के लिए किया प्रोत्साहित

बीकानेर @ पत्रिका. निकरा परियोजना के तहत गोद लिए गांव कानासर में कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय डॉ. अरुण कुमार ने किसानों से संवाद किया तथा कृषि में उद्यमिता विकास पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

निदेशक अनुसंधान डॉ.प्रकाश सिंह शेखावत ने सरसों तथा मूंग की उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ.आई.पी. सिंह ने बताया कि किसानों को कृषि में लागत को कम करना चाहिए, जिससे कि अधिक लाभ प्राप्त किया जा सके।

निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि गांव कानासर में केंद्र की ओर से सरसों की राधिका किस्म प्रदर्शित की गई है, जिससे किसान वातावरण की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अधिक पैदावार ले सकते हैं।

Rastrydoot 22.02.2024

मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र कृषि विकास में बहुपयोगी : डॉ. अरूण कुमार

- 'कृषि में मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के आयाम' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित
- संचार प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ कुमार गंधर्व कृषि वैज्ञानिकों, पी.जी. एवं पीएचडी के विद्यार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण देंगे

बीकानेर, (कासं)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षण तंत्र योजना के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में बुधवार को 'कृषि में मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के आयाम' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र ऑफलाइन तथा ऑनलाइन शिक्षण का सामंजस्य है जो कृषि विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एवं किसानों के लिए विश्व स्तर पर हो रहे कृषि शोध, नवाचारों एवं शिक्षकों द्वारा तैयार अध्ययन सामग्री को सुलभ कराने का एक प्लेटफार्म है। इसके प्रमुख घटकों में इन बिल्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल सफेद पट्ट, त्वरित समाचार प्रेषण, ई - लर्निंग, ऑनलाइन असेस्मेंट टूल, यूट्यूब चैनल आदि सम्मिलित है।

एस. के. आर. ए. यू में 'कृषि मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के आयाम' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को प्रो. अरूण कुमार ने संबोधित किया।

कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कंप्यूटर अनुप्रयोग संभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अंशु भारद्वाज ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि आईसीएआर ने देश के सभी 74 कृषि विश्वविद्यालयों में वर्चुअल क्लास रूम स्थापित करवाए है जो नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत डिजिटल तकनीकी को कृषि शिक्षा में समावेशित करने की दिशा में अच्छी पहल है। कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षकों द्वारा तैयार ऑनलाइन लेक्चर कृषि शिक्षा चैनल के माध्यम से विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप के लिए भी मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र उपयोगी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. पी. के. यादव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इस कार्यशाला में आईसीएआर के संचार प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ कुमार गंधर्व कृषि वैज्ञानिकों, पी.जी. एवं पीएचडी के विद्यार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण देंगे। डॉ. सुशील खारिया को इस हेतु विश्वविद्यालय का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कार्यशाला में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता विमला डूंकवाल ने कहा कि मिश्रित शिक्षण को हाइब्रिड लर्निंग से भी समझ सकते है। अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने कहा कि हमारे सामने उदाहरण है कि कृषि में हरित क्रांति हाइब्रिडों के समायोजन के कारण ही आई थी। शिक्षा में इसे लागू करके नए आयाम स्थापित किये जा सकते है। कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि कोविड-19 के दौर में ऑनलाइन अध्यापन के दौरान हमने बहुत नई तकनीकें सीखी जिनकी प्रासंगिकता को देखते हुए आज डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

नई दिल्ली से आए कुमार गंधर्व ने कहा कि घरेलू कार्यों जैसे कि पैसा ट्रांसफर करना, ऑनलाइन सीट बुक करना, ऑनलाइन खरीद आदि में हम डिजिटल प्लेटफॉर्म अपना रहे है वैसे ही शिक्षा में भी इसकी लोकप्रियता बनाने की आवश्यकता है। निदेशक, मानव संसाधन विकास निदेशालय, डॉ. ए. के शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हजारों रोगी लाभान्वित : नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन और सीमाज कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधा में पहली बार आयोजित 'करणी मात आरोग्य रक्षा यात्रा' में एनएमओ के 1 चिकित्सक और 24 मेडिकल विद्यार्थियों ने 10 पंचायतों में एक सा मेडिकल कैम्प लगाकर 940 पंजीकृ और 70 से अधिक अन्य मरीजों क लाभान्वित किया। यात्रा संयोजक ड प्रद्युमन सिंह ने बताया कि दवाईयों क समुचित व्यवस्था भामाशाहों औ समाजसेवी संगठनों के द्वारा की गई।

पंजाब केसरी
THU,22 FEBRUARY 2024
EDITION: JAIPUR, PAGE NO. 11

PANJAB KESHRI

मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र कृषि विकास में बहुपयोगी : डॉ. अरुण

बीकानेर : एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लेते अतिथि।

बीकानेर, 21 फरवरी (प्रेम) : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षण तंत्र योजना के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में बुधवार को 'कृषि में मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के आयाम' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र ऑफलाइन तथा ऑनलाइन शिक्षण का सामंजस्य है, जो कृषि विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एवं किसानों के लिए विश्व स्तर पर हो रहे कृषि शोध, नवाचारों एवं शिक्षकों की ओर से तैयार अध्ययन सामग्री को सुलभ कराने का एक प्लेटफार्म है। संभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अंशु भाद्धाज ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि आईसीएआर ने देश के सभी 74 कृषि विश्वविद्यालयों में वर्चुअल क्लास रूम स्थापित करवाए हैं, जो नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत डिजिटल तकनीकी को कृषि शिक्षा में समावेशित करने की दिशा में अच्छी पहल है। आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. पी के यादव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इस कार्यशाला में आईसीएआर के संचार प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ कुमार गंधर्व कृषि वैज्ञानिकों, पीजी एवं पीएचडी के विद्यार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण देंगे। डॉ. सुशील खारिया को इसके लिए विश्वविद्यालय का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यशाला में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठता विमला डूकवाल ने कहा कि मिश्रित शिक्षण को हाइब्रिड लर्निंग से भी समझ सकते हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ.पी एस शेखावत ने कहा कि हमारे सामने उदाहरण है कि कृषि में हरित क्रांति हाइब्रिडों के समायोजन के कारण ही आई थी। सेमिनार में नई तकनीक से हो रहे लाभ के बारे में भी वक्ताओं ने प्रकाश डाला।

पानी के अवैध कनेक्शन काटे : जलदाय विभाग ने पाइप लाइन, राईजिंग मैनलाइन एवं जल वितरण पाइप लाइनों पर किए अवैध कनेक्शन काटने के लिए विशेष अभियान चलाया है। इसके तहत बीकानेर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक दो सौ से ज्यादा कनेक्शन काटे जा चुके हैं। इन अवैध कनेक्शन को नियमित करने के लिए भी कार्रवाई की जा रही है।

विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश पुरोहित ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत अब तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 166 अवैध जल कनेक्शन काटे गए व ग्रामीण क्षेत्रों में 59 अवैध जल संबंध हटाए गए हैं। नाल ग्राम पंचायत में भी कार्रवाई की गई है।

विद्यार्थियों को दी गई मोटे अनाज की जानकारी

22.02.2024

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस एवं भारत सरकार के मिलेट्स विकास निदेशालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मोटे अनाज की महत्ता पर प्रशिक्षण दिया गया। जवाहर नवोदय विद्यालय गजनेर में कक्षा-9 के विद्यार्थियों को दो समूहों में सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि बाजरा, रागी, ज्वार, कोदो, कुटकी, सामा, राजगीरा, कुट्टू आदि मोटे अनाज की श्रेणी में आते हैं। मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मंजू कंवर राठौड ने मिलेट्स के प्रकार, खेती और पोषण मूल्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत विश्व स्तर पर मोटे अनाज का 20 प्रतिशत उत्पादन करता है। खाद्य एवं पोषण विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. ममता सिंह ने मानव आहार में मोटे अनाज की महत्ता विषय पर जानकारी दी। खाद्य एवं पोषण विभाग की गेस्ट फैकल्टी डॉ नम्रता जैन ने विद्यार्थियों को बाजरे के बिस्किट, लड्डू, खाखरा, कुरकुरे, आंवला केण्डी, कपकेक इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण दिया तथा विद्यार्थियों को पैकेजिंग एवं मार्केटिंग के बारे में भी बताया।

मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र कृषि विकास में बहुपयोगी

22.02.2024

बीकानेर @ पत्रिका. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षण तंत्र योजना के तहत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में बुधवार को कृषि में मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के आयाम विषय पर कार्यशाला हुई।

कार्यशाला में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मिश्रित शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र ऑफलाइन तथा ऑनलाइन शिक्षण का सामंजस्य है, जो कृषि विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एवं किसानों के लिए विश्व स्तर पर हो रहे कृषि शोध, नवाचारों एवं शिक्षकों की ओर से तैयार अध्ययन सामग्री को सुलभ कराने का एक प्लेटफार्म है। इसके प्रमुख घटकों में इन बिल्ट वीडियो, कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल सफेद पट्ट, त्वरित समाचार प्रेषण, ई - लर्निंग, ऑनलाइन असेसमेंट टूल, यूट्यूब चैनल आदि सम्मिलित हैं।

कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कंप्यूटर अनुप्रयोग संभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अंशु भारद्वाज ने कहा कि आईसीएआर ने देश के सभी 74 कृषि विश्वविद्यालयों में वर्चुअल क्लास रूम स्थापित करवाए हैं, जो नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत डिजिटल तकनीकी को कृषि शिक्षा में समावेशित करने की दिशा में अच्छी पहल है। आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. पी. के. यादव ने कहा कि इस कार्यशाला में आईसीएआर के संचार प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ कुमार गंधर्व कृषि वैज्ञानिकों, पी.जी. एवं पीएचडी के विद्यार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण देंगे। अधिष्ठाता विमला डूकवाल ने कहा कि मिश्रित शिक्षण को हाइब्रिड लर्निंग से भी समझ सकते हैं।

स्वच्छता जागरूकता तथा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

24.02.2024

पौधों की देखभाल अपने पुत्र-पुत्री जैसी करने की सलाह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से शुक्रवार को गांव कावनी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यकम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी डॉ. कीर्ति खत्री के निर्देशन में स्वयं सेवकों ने भागीदारी की तथा सफाई अभियान चलाया।

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवक व अन्य।

इसके साथ ही कृषि महाविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गृह वाटिका में फल व सब्जी उत्पादन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को गृह वाटिका में फल तथा सब्जियों के उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि हमें हर घर में गृह वाटिका लगानी चाहिए, जिससे परिवार के सदस्यों को पूर्ण पोषण मिल सके तथा साथ ही घर का पर्यावरण भी स्वस्थ रहे।

कुलपति ने किसानों को लेसवा तथा सहजन के पौधे वितरित किए तथा किसानों से पौधों की देखभाल अपने पुत्र-पुत्री की भांति करने का आग्रह किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव ने गृह वाटिका लगाने तथा उसके रखरखाव संबंधित जानकारी किसानों को प्रदान की। निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. सुभाष चंद्र ने विश्वविद्यालय की ओर से गांव कावनी में चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत, डॉ. दुर्गा सिंह, जलाराम, डॉ.राजेश वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

किसानों को वितरित किए लेसवा और सहजन के पौधे

24.02.2024

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शुक्रवार को गांव कावनी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार किसानों को लेसवा तथा सहजन के पौधे वितरित किए तथा किसानों से पौधों की देखभाल अपने पुत्र-पुत्री की भांति करने का आग्रह किया। कुलपति ने गांव में लेसवा तथा सहजन के पौधे भी लगाए। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हमें हर घर में गृह वाटिका लगानी चाहिए जिससे कि परिवार के सदस्यों को पूर्ण पोषण मिल सके तथा साथ ही घर का पर्यावरण भी स्वस्थ रहे। कुलपति ने कार्यकम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी डॉ. कीर्ति खत्री के निर्देशन में स्वयं सेवकों ने भागीदारी की तथा सफाई अभियान चलाया। इसके साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गृह वाटिका में फल व सब्जी उत्पादन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव ने गृह वाटिका लगाने तथा उसके रखरखाव संबंधित जानकारी किसानों को प्रदान की। निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. सुभाष चंद्र ने विश्वविद्यालय द्वारा गांव कावनी में चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र, बीकानेर, डॉ. दुर्गा सिंह तथा जलाराम मौजूद रहे। उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ.राजेश वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

24.02.2024

कावनी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम तथा एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 23 फरवरी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शुक्रवार को गांव कावनी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

कार्यकम में सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी डॉ. कीर्ति खत्री के निर्देशन में स्वयं सेवकों ने भागीदारी की तथा सफाई अभियान चलाया।

इसके साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गृह वाटिका में फल व सब्जी उत्पादन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को गृह वाटिका में फल तथा सब्जियों के उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार, कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय थे।

कुलपति ने कहा कि हमें हर घर में गृह वाटिका लगानी चाहिए जिससे कि परिवार के सदस्यों को पूर्ण पोषण मिल सके तथा साथ ही घर का पर्यावरण भी स्वस्थ रहे। कुलपति ने किसानों को लेसवा तथा सहजन के पौधे वितरित किए तथा किसानों से पौधों की देखभाल अपने फुल-फुली की भांति करने का आग्रह किया। कुलपति ने गांव में लेसवा तथा सहजन के पौधे भी लगाए। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव ने गृह वाटिका लगाने तथा उसके रखरखाव संबंधित जानकारी किसानों को प्रदान की। निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. सुभाष चंद्र ने विश्वविद्यालय द्वारा गांव कावनी में चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

24.02.2024

कावनी में आयोजित हुआ स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शुक्रवार को गांव कावनी में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यकम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी डॉ. कीर्ति खत्री के निर्देशन में स्वयं सेवकों ने भागीदारी की तथा सफाई अभियान चलाया। इसके साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 'गृह वाटिका में फल व सब्जी उत्पादन' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को गृह वाटिका में फल तथा सब्जियों के उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार, कुलपति स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय थे। कुलपति ने कहा कि हमें हर घर में गृह वाटिका लगानी चाहिए जिससे कि परिवार के सदस्यों को पूर्ण पोषण मिल सके तथा साथ ही घर का पर्यावरण भी स्वस्थ रहे। कुलपति ने किसानों को लेसवा तथा सहजन के पौधे वितरित किए तथा किसानों से पौधों की देखभाल अपने पुत्र-पुत्री की भांति करने का आग्रह किया। कुलपति ने गांव में लेसवा तथा सहजन के पौधे भी लगाए। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव ने गृह वाटिका लगाने तथा उसके रखरखाव संबंधित जानकारी किसानों को प्रदान की। निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. सुभाष चंद्र ने विश्वविद्यालय द्वारा गांव कावनी में चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र, बीकानेर, डॉ. दुर्गा सिंह तथा जलाराम मौजूद रहे। उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ.राजेश वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम के दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, बीकानेर के अध्यक्ष डॉ. दुर्गा सिंह तथा सरपंच प्रतिनिधि जलाराम मौजूद रहे। उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ.राजेश वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया और साथ ही आग्रह किया कि सभी किसान विश्वविद्यालय के साथ मिलकर चलें ताकि गांव का सर्वांगीण विकास हो सके।

Danik Bhaskar
26.02.2024

• 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण का हुआ समापन

टिकाऊ खेती के लिए स्थानीय तकनीकें होती है ज्यादा कारगर : प्रो. मनोज दीक्षित

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'आधुनिक पादप रोग प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां' विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण के समापन रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने कहा कि कृषि शोध स्थानीय जलवायु के अनुरूप होने चाहिए। उन्होंने टिकाऊ खेती के लिए स्थानीय तकनीकों एवं प्राकृतिक खेती को ज्यादा कारगर बताया। उन्होंने पादप रोग प्रबंधन में स्थानीय व्यावहारिक ज्ञान को आजमाने की राय दी।

समारोह में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पादपों में नये- नये रोग लक्षित हो रहे हैं जिनका नियंत्रण आवश्यक है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव ने स्वागत उद्बोधन दिया।

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. दाताराम में बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कुल 53 व्याख्यान हुए तथा वैज्ञानिकों को स्थानीय आईसीएआर संस्थानों एवं प्रक्षेत्रों का भ्रमण करवाया गया। प्रशिक्षण में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आसाम, गुजरात तथा त्रिपुरा राज्यों के 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में डॉ. अर्जुन यादव, डॉ. बी.डी.एस. नाथावत तथा डॉ. सुशील खारिया ने सहसंयोजक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा अतिथियों द्वारा प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान डॉ. पीएस शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. एके शर्मा सहित सभी विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

Patrika
26.02.2024

#AgriculturalSeminar | 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण सम्पन्न

टिकाऊ खेती के लिए स्थानीय तकनीकें ज्यादा कारगर, व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से प्रायोजित तथा स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आयोजित आधुनिक पादप रोग प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन वैज्ञानिक प्रशिक्षण का समापन रविवार को हुआ।

समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने कहा कि कृषि शोध स्थानीय जलवायु के अनुरूप होने चाहिए। उन्होंने टिकाऊ खेती के लिए स्थानीय तकनीकों एवं प्राकृतिक खेती को ज्यादा कारगर बताया। उन्होंने पादप रोग प्रबंधन में स्थानीय व्यावहारिक ज्ञान को आजमाने की राय दी।

प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन करते अतिथि।

समारोह में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण पादपों में नए-नए रोग लक्षित हो रहे हैं, जिनका नियंत्रण आवश्यक है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.पी. के. यादव ने स्वागत उद्बोधन दिया।

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. दाताराम ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान 53 व्याख्यान हुए। प्रशिक्षण में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आसाम, गुजरात तथा त्रिपुरा राज्यों के 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिन्हें पादप रोग प्रतिरोधकता के लिए बायोटेक्नोलॉजी, पादप जींस एडिटिंग, रोग प्रबंधन में नैनो टेक्नोलॉजी, ट्राइकोडर्मा के उपयोग आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा अतिथियों ने प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान डॉ. पी. एस. शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।